श्री विमलनाथ चालीसा

सिद्ध अनन्तानन्त नमन कर,
सरस्वती को मन में ध्याय।

विमलप्रभु की विमल भक्ति कर,
चरण कमल में शीश नवाय॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय श्री विमलनाथ विमलेश।
आठों कर्म किए निःशेष॥

कृतवर्मा के राजदुलारे।
रानी जयश्यामा के प्यारे॥

मंगलीक शुभ सपने सारे।
जगजननी ने देखे न्यारे॥

शुक्ल चतुर्थी माघ मास की।
जन्म जयन्ती विमलनाथ की॥

जन्मोत्सव देवों ने मनाया।
विमलप्रभु शुभ नाम धराया॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मेरु पर अभिषेक कराया।
गन्धोदक श्रद्धा से लगाया॥

वस्त्राभूषण दिव्य पहनाकर।
मात-पिता को सौंपा आकर॥

साठ लाख वर्षायु प्रभु की।
अवगाहना थी साठ धनुष की॥

कंचन जैसी छवि प्रभु-तन की।
महिमा कैसे गाऊँ मै उनकी॥

बचपन बीता, यौवन आया।
पिता ने राजतिलक करवाया॥

हिंदीपथ.कॉम

चयन किया सुन्दर वधुओं का।
आयोजन किया शुभ विवाह का॥

एक दिन देखी ओस घास पर।
हिमकण देखें नयन प्रीतिभर॥

हुआ संसर्ग सूर्य रश्मि से।
लुप्त हुए सब मोती जैसे॥

हो विश्वास प्रभु को कैसे ?
खड़े रहे वे चित्रलिखित से॥

"क्षणभंगुर है ये संसार।
एक धर्म ही है बस सार॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

वैराग्य हृदय में समाया।
छोड़े क्रोध- मान और माया॥

घर पहुँचे अनमने से होकर।
राजपाट निज सुत को देकर॥

देवोमई शिविका पर चढ़कर।
गए सहेतुक वन में जिनवर॥

माघ मास- चतुर्थी कारी।
“नमः सिद्ध्" कह दीक्षाधारी॥

रचना समोशरण हितकार।
दिव्य देशना हुई सुखकार॥

हिंदीपथ.कॉम

उपशम करके मिथ्यात्व का।
अनुभव करलो निज आतम का॥

मिथ्यात्व का होय निवारण।
मिटे संसार भ्रमण का कारण॥

बिन सम्यक्त्व के जप-तप-पूजन।
निष्फल हैं सारे व्रत-अर्चन॥

विषफल हैं ये विषयभोग सब।
इनको त्यागो हेय जान अब॥

द्रव्य-भाव-नो कमोदि से।
भिन्न हैं आतम देव सभी से॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

निश्चय करके निज आतम का।
ध्यान करो तुम परमातम का॥

ऐसी प्यारी हित की वाणी।
सुनकर सुखी हुए सब प्राणी॥

दूर-दूर तक हुआ विहार।
किया सभी ने आत्मोद्धार॥

'मन्दर' आदि पचपन गणधर।
अड़सठ सहस दिगम्बर मुनिवर॥

उम्र रही जब तीस दिनों की।
जा पहुँचे सम्मेद शिखर जी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

हुआ बाह्य वैभव परिहार।
शेष कर्म बन्धन निखार॥

आवागमन का कर संहार।
प्रभु ने पाया मोक्षागार॥

षष्ठी कृष्णा मास आसाढ़।
देव करें जिनभक्ति प्रगाढ़॥

सुवीर कूट पूजे मन लाय।
निर्वाणोत्सव करें हर्षाय॥

जो भवि विमलप्रभ को ध्यावें।
वे सब मन वांछित फल पावें।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अरुणा' करती विमल-स्तवन।
ढीले हो जावें भव-बन्धन॥

जाप:- ॐ ह्रीं अर्ह श्री विमलप्रभु नमः

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य जैन चालीसा

आदिनाथ चालीसा

अजितनाथ चालीसा

संभवनाथ चालीसा

अभिनंदननाथ चालीसा

सुमतिनाथ चालीसा

पद्मप्रभु चालीसा

सुपार्श्वनाथ चालीसा

चंद्रप्रभु चालीसा

पुष्पदंत चालीसा

शीतलनाथ चालीसा

श्रेयांसनाथ चालीसा

वासुपूज्य चालीसा

विमलनाथ चालीसा

अनंतनाथ चालीसा

धर्मनाथ चालीसा

शांतिनाथ चालीसा

कुंथुनाथ चालीसा

अरहनाथ चालीसा

मल्लिनाथ चालीसा

मुनि सुव्रतनाथ चालीसा

नमिनाथ चालीसा

नेमिनाथ चालीसा

पार्श्वनाथ चालीसा

महावीर चालीसा

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com